मंकीपॉक्स को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किये जाने हेतु डब्ल्यूएचओ की आपातकालीन बैठक

यूपीएससी परीक्षा के किस पाठ्यक्रम से संबंधित	
प्रारम्भिक परीक्षा	**मुख्य परीक्षा**
प्रथम प्रश्न पत्र : अंतर्राष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनाएँ	**द्वितीय प्रश्न पत्र :** स्वास्थ्य

संदर्भ

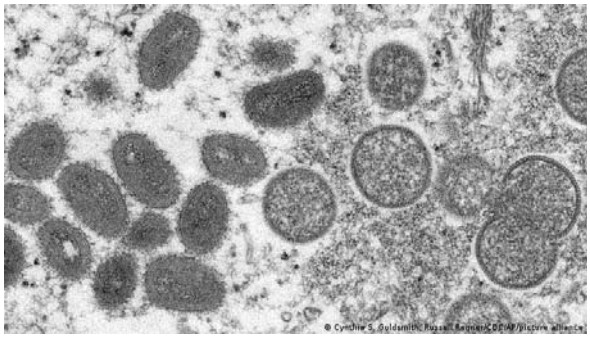

- मंकीपॉक्स के बढ़ते मामलों के दृष्टिगत विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने आपात समिति की बैठक आयोजित की है।
- इस आयोजन में मंकीपॉक्स को लेकर वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा की जा सकती है।

विषयगत महत्वपूर्ण बिन्दु

पृष्ठभूमि

- डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्येयियस ने हाल ही में 40 से अधिक देशों में मंकीपॉक्स के मामले सामने आने के बाद चिंता व्यक्त की थी।
- वर्ष 2017 में नाजीरिया में बड़े पैमाने पर ये बीमारी फैली थी और हजारों मामले सामने आए थे।
- मध्य और पश्चिमी अफ्रीका में ये बीमारी दशकों से लोगों को बीमार बना नही है।
- इस बीमारी के कारण करीब बीमारी के शिकार दस फीसदी लोगों की मौत हो जाती है। हालांकि अफ्रीका में अभी तक इस बीमारी से एक भी मौत होने की जानकारी नहीं है।

मंकीपॉक्स

- मंकीपॉक्स एक दुर्लभ जूनोटिक बीमारी है, जो मंकीपॉक्स वायरस के संक्रमण के कारण होती है।
- मंकीपॉक्स वायरस पॉक्सविरिडे परिवार से संबंधित है, जिसमें चेचक और चेचक की बीमारी पैदा करने वाले वायरस भी शामिल हैं।

- यह मानव चेचक के समान एक दुर्लभ वायरल संक्रमण है।

मंकीपॉक्स से जुड़े मामले और प्रसार

- यह पहली बार 1958 में शोध के लिए रखे गए बंदरों में पाया गया था।
- मंकीपॉक्स से संक्रमण का पहला मामला 1970 में दर्ज किया गया था।
- यह रोग मुख्य रूप से मध्य और पश्चिम अफ्रीका के उष्णकटिबंधीय वर्षावन क्षेत्रों में होता है और कभी-कभी अन्य क्षेत्रों में पहुंच जाता है।
- अफ्रीका के बाहर अमेरिका, यूरोप, सिंगापुर, ब्रिटेन में मंकीपॉक्स के मामले सामने आए हैं और इन मामलों को अंतरराष्ट्रीय यात्रा व बीमारी से ग्रस्त बंदरों के एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने से जोड़ा गया है।
- यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने अब तक 42 ऐसे देशों में मंकीपॉक्स के 3,300 से अधिक मामलों की पुष्टि की है, जहां संबंधित वायरस सामान्य तौर पर नहीं देखा जाता है। इनमें 80 प्रतिशत से अधिक मामले यूरोप में हैं। इस बीच अफ्रीका में इस साल 1,400 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें 62 लोगों की मौत हो गई है।

मृत्यु दर

- हाल के समय में मृत्यु दर का अनुपात लगभग 3-6 प्रतिशत रहा है, लेकिन यह 10 प्रतिशत तक हो सकता है।
- संक्रमण के वर्तमान प्रसार के दौरान मौत का कोई मामला सामने नहीं आया है।

संक्रमण का प्रसार

- मंकीपॉक्स किसी संक्रमित व्यक्ति या जानवर के निकट संपर्क के माध्यम से या वायरस से दूषित सामग्री के माध्यम से मनुष्यों में फैलता है। ऐसा माना जाता है कि यह चूहों, चूहियों और गिलहरियों जैसे जानवरों से फैलता है।
- यह रोग घावों, शरीर के तरल पदार्थ, श्वसन बूंदों और दूषित सामग्री जैसे बिस्तर के माध्यम से फैलता है।
- यह वायरस चेचक की तुलना में कम संक्रामक है और कम गंभीर बीमारी का कारण बनता है।

मंकीपॉक्स को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने के निहितार्थ

- मंकीपॉक्स को वैश्विक आपातकाल घोषित करने का अर्थ होगा कि संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी इस प्रकोप को एक "असाधारण घटना" मानती है और इस बीमारी के और अधिक प्रसार की खतरा है।
- यह कोविड-19 महामारी और पोलियो उन्मूलन के लिए जारी प्रयासों की तरह ही मंकीपॉक्स को लेकर भी कार्रवाई करेगी।
- कई वैज्ञानिकों को अनुमान है कि किसी भी तरह की घोषणा से महामारी के अंकुश लगाने पर मदद मिलेगी, क्योंकि विकसित देशों में मामले सामने आने के बाद वहां इस पर रोक लगाने के लिए पहले ही प्रयास शुरू हो चुके हैं।
- पिछले एक दशक में डब्ल्यूएचओ ने स्वाइन फ्लू, पोलियो और इबोला सहित प्रकोपों के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित की है।

अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम (2005)

- बीमारी का प्रकोप और अन्य तीव्र सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम सामान्यतः अप्रत्याशित होते हैं और इसके लिए कई तरह की प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता होती है।
- अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम (2005) एक व्यापक कानूनी ढांचा प्रदान करता है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य घटनाओं और आपात स्थितियों से निपटने में देशों के अधिकारों और दायित्वों को परिभाषित करता है।
- IHR अंतरराष्ट्रीय कानून का एक उपकरण है, जो 194 डब्ल्यूएचओ सदस्य राज्यों सहित 196 देशों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी है।
- IHR घातक महामारियों की प्रतिक्रिया स्वरूप विकसित हुआ। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य घटनाओं की रिपोर्ट करने की आवश्यकता सहित देशों के लिए अधिकार और दायित्व का निर्धारण करता हैं। विनियम ऐसे मानदंडों को भी रेखांकित करते हैं कि कोई विशेष घटना "अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल" है अथवा नहीं।
- आईएचआर विनियमों के तहत स्वास्थ्य उपायों के आवेदन में व्यक्तिगत डेटा, सूचित सहमति और गैर-भेदभाव के उपचार के संबंध में यात्रियों और अन्य व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा उपायों को प्रस्तुत करता है।

कार्यान्वयन

- आईएचआर को कार्यान्वित करने की जिम्मेदारी उन सभी राज्यों की पार्टियों पर है, जो विनियमों और डब्ल्यूएचओ पर बाध्य हैं
- सरकारें अपने सभी क्षेत्रों, मंत्रालयों, स्तरों, अधिकारियों और कर्मियों सहित राष्ट्रीय स्तर पर आईएचआर को लागू करने के लिए जिम्मेदार हैं।
- डब्ल्यूएचओ आईएचआर कार्यान्वयन में समन्वय की भूमिका निभाता है और अपने भागीदारों के साथ मिलकर देशों को क्षमता निर्माण में मदद करता है। ।
- देश के कार्यान्वयन का लक्ष्य पड़ोसी देशों में स्वास्थ्य जोखिमों के प्रसार को सीमित करना और अनुचित यात्रा और व्यापार प्रतिबंधों को रोकना है।
- आईएचआर के लिए आवश्यक है कि सभी देशों के पास सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिमों और आपात स्थितियों का पता लगाने, मूल्यांकन करने और रिपोर्ट करने और प्रतिक्रिया करने की क्षमता हो।

तैयारी

- सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिमों का तेजी से पता लगाने, सत्यापन और प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए अपनी क्षमताओं को मजबूत करने और बनाए रखने में देशों का समर्थन करने के लिए, डब्ल्यूएचओ उपकरण, मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करता है।
- डब्ल्यूएचओ का समर्थन डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय और विभिन्न देशों के कार्यालयों द्वारा पहचानी गई प्राथमिक आवश्यकताओं पर केंद्रित है, ताकि प्रत्येक देश को अपनी आईएचआर प्रतिबद्धता को पूरा करने में मदद मिल सके।

स्रोत: द हिन्दू

वर्टिकल लॉन्च मिसाइल

यूपीएससी परीक्षा के किस पाठ्यक्रम से संबंधित	
प्रारम्भिक परीक्षा	**मुख्य परीक्षा**
प्रथम प्रश्न पत्र : राष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनाएँ	**तृतीय प्रश्न पत्र :** रक्षा

संदर्भ

- डीआरडीओ और भारतीय नौसेना ने कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली वर्टिकल लॉन्च मिसाइल का ओडिशा तट से सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया

विषयगत महत्वपूर्ण बिन्दु

चांदीपुर समेकित परीक्षण रेंज

- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय नौसेना ने कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली वर्टिकल लॉन्च मिसाइल का ओडिशा तट स्थित चांदीपुर समेकित परीक्षण रेंज से सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया।
- यह परीक्षण भारतीय नौसैनिक पोत से 24 जून, 2022 को किया गया। वीएल-एसआरएसएएम पोत पर तैनात की जाने वाली हथियार प्रणाली है, जो समुद्र-स्किमिंग लक्ष्यों सहित सीमित दूरी के विभिन्न हवाई खतरों को बेअसर कर सकती है।
- प्रणाली का प्रक्षेपण एक उच्च गति वाले हवाई लक्ष्य के प्रतिरूपी विमान के खिलाफ सफलतापूर्वक किया गया।

निगरानी

- आईटीआर, चांदीपुर द्वारा तैनात कई ट्रैकिंग उपकरणों का उपयोग करते हुए और हेल्थ पैरामीटर का ध्यान रखते हुए वाहन के उड़ान पथ की निगरानी की गई।

महत्ता

- इस प्रणाली के रूप में एक ऐसे हथियार को शामिल किया गया है, जो हवाई खतरों के खिलाफ भारतीय नौसेना के जहाजों की रक्षा क्षमता में वृद्धि करेगा।
- इस स्वदेशी मिसाइल प्रणाली के विकास से भारतीय नौसेना की रक्षात्मक क्षमताओं को और सुदृढ़ता मिलेगी।
- परीक्षण ने भारतीय नौसेना के पोतों पर स्वदेशी हथियार प्रणाली के एकीकरण को सिद्ध किया है।
- यह भारतीय नौसेना के बल को बढ़ाने वाला साबित होगा और 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण की दिशा में एक और मील का पत्थर सिद्ध होगा।

वीएल-एसआरएसएएम

- वीएल-एसआरएसएएम प्रणाली को 40 किमी से 50 किमी की दूरी पर और लगभग 15 किमी की ऊंचाई पर उच्च गति वाले हवाई लक्ष्यों पर हमला करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इसका डिज़ाइन एस्ट्रा मिसाइल पर आधारित है, जो कि एक बियॉन्ड विज़ुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल है।
- वीएल-एसआरएसएएम की दो प्रमुख विशेषताएं हैं- क्रूसिफॉर्म विंग्स और थ्रस्ट वेक्टरिंग।

एकीकृत परीक्षण रेंज चांदीपुर

- एकीकृत परीक्षण रेंज चांदीपुर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन डीआरडीओ का एक प्रमुख परीक्षण और मूल्यांकन केंद्र है।
- यह ओडिशा के चांदीपुर में स्थित है।
- एकीकृत मिसाइल परीक्षण रेंज अब्दुल कलाम द्वीप में स्थित है, जिसे पहले व्हीलर द्वीप के नाम से जाना जाता था।
- यह भुवनेश्वर से 150 किमी दूर स्थित है।
- एकीकृत परीक्षण रेंज में दो मिसाइल परीक्षण रेंज हैं
    - अब्दुल कलाम द्वीप में लॉन्च कॉम्प्लेक्स IV
    - चांदीपुर में लॉन्च कॉम्प्लेक्स III

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस